चुनाव के तीन साल बाद मिला न्याय

पिथौरागढ़ | त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतगणना की गड़बड़ी से हारे उम्मीदवार को तीन साल बाद न्याय मिला। जिला न्यायालय में हुई मतों की पुनर्गणना में दूसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवार को सबसे अधिक मत मिलने की बात साबित हुई है। जिला न्यायालय ने दूसरे स्थान पर घोषित किए गए उम्मीदवार को विजयी घोषित कर दिया है। क्षेत्र पंचायत सदस्य भंडारीगांव के लिए विजय चंद मैदान में थे। १००१ मतदाताओं ने इस पद के लिए मतदान किया। २७ जून २०१४ को मतों की गणना हुई। विजय चंद को ५०० मत पड़े, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी को ४४७ मत मिले। लेकिन, निर्वाचन कार्मिकों ने उनके प्रतिद्वंद्वी को विजयी घोषित कर दिया था। विजय चंद ने इसकी शिकायत की लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली। जिला जज राजेंद्र जोशी ने इस मामले से जुड़े सभी पक्षों को सुना। उन्होंने मामले में प्रस्तुत मौखिक, दस्तावेज और अन्य साक्ष्यों को सुना। सभी पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने पुनर्मतगणना का निर्णय लिया। न्यायालय में मतगणना कराई गई। इसमें विजय चंद को सर्वाधिक ५०० मत मिले। जबकि विजयी घोषित दीवान सिंह को ४३५ मत मिले। यह तथ्य भी सामने आया कि चुनाव में कमतोली बूथ पर विजय चंद को १४९ मत तथा दीवान सिंह को १० मत मिले थे। जबकि जून २०१४ में विकास खंड में हुई मतगणना में निर्वाचन कार्मिकों ने इन मतों को उलट कर एक दूसरे के खाते दर्शा दिया था। न्यायालय ने विजय चंद को विजयी घोषित कर दिया है।

फिलींपींस की युवती को भारत खींच लाया प्यार

बरेली | बरेली शहर में इटली, फ्रांस व आस्ट्रेलिया के बाद अब फिलीपींस से दुल्हन आई है। इस युवती ने अपने फेसबुक फ्रेंड को अपना हमसफर बना लिया।

मैरी एन मैलिनोस्की अमारो हजारों किलोमीटर दूर अपना सबकुछ अपने देश में छोड़कर अकेले पहले दिल्ली और फिर वहां से बरेली पहुंची। पेंट व्यवसायी के साथ समारोह पूर्वक शादी रचाई और कल विशेष विवाह अधिकारी के यहां से इस जोड़े को विवाह के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र भी मिल गया।

फिलीपींस में कस्टोडियो सेंट सैंटुलेन मोलाबोन सिटी की रहने वाली मैरी का पूरा नाम मैरी एन मैलिनोस्की अमारो है। वह फिलीपींस में सीए थीं। एक दिन फेसबुक के जरिये बरेली के सिविल लाइंस चौपुला मार्ग पर रहने वाले पेंट व्यवसायी शशांक अग्रवाल के संपर्क में आई। दोस्ती हुई और बातचीत का सिलसिला चल निकला। इनका धर्म, भाषा, देश अलग होने के बावजूद सोच मेल खाने लगी।

एक वर्ष में दोनों एकदूसरे के काफी करीब आ गए। इतने कि शादी तक बात पहुंच गई। शशांक ने अपने घरवालों को बताया तो वे कशमकश में फंस गए। विचार हुआ और आखिरकार दिल्ली में रहने वाले शशांक के मौसा महेंद्र फिलीपींस में मैरी के घर गए। वहां मैरी के घरवालों से मिले और वापस लौटे तो शशांक के घरवाले इस शर्त पर तैयार हो गए कि विवाह से पहले मैरी को घर बुलाकर देख लिया जाए कि वह हम लोगों के बीच एडजस्ट हो पाएगी या नहीं।

इस तरह मैरी बीती होली पर अकेले ही बरेली आ गई। उस पर होली का रंग ऐसा चढ़ा कि शशांक के घरवाले उसे दुल्हन बनाने के लिए तैयार हो गए। पांच अप्रैल को शहनाई बारातघर में दोनों विवाह के बंधन में बंध गए। विवाह में दुल्हन के अलावा सारे रिश्तेदार और बराती शशांक की तरफ के ही शामिल हुए। मैरी के घरवाले नहीं आ सके। विवाह के बाद मैरी ने फिलीपींस में सीए की नौकरी से इस्तीफा दे दिया।

पंजीकरण के बाद नोटिस जारी

विशेष विवाह अधिकारी एवं एसडीएम, अर्चना द्विवेदी ने कहा कि मैरी व शशांक के विवाह पंजीकरण को आवेदन करने के बाद नोटिस जारी किया गया था। तय सीमा में किसी तरह की कोई आपत्ति नहीं आने और फिलीपींस दूतावास से अनापत्ति मिलने पर प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया। मैरी और शशांक कल तहसील सदर में एसडीएम सदर एवं विशेष विवाह अधिकारी के सामने पहुंचे। एसडीएम ने दोनों के बयान लिए। उसके बाद उन्हें विवाह के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र जारी कर दिया। मैरी जब कभी शशांक को घर में गंदा कह देती हैं तो परिवार के लोग यह सुनकर ठहाका लगाते हैं। यह मजाक नहीं है दरअसल, फिलीपींस की मातृभाषा टगालोग में गंदा को खूबसूरत कहते हैं। ऐसे ही कभी-कभी मैरी शशांक को बलूशा भी कह देती हैं, जिसका मतलब हिंदी में पागल है।

आशुतोष ने किया सायबर चोरों का खात्मा ?

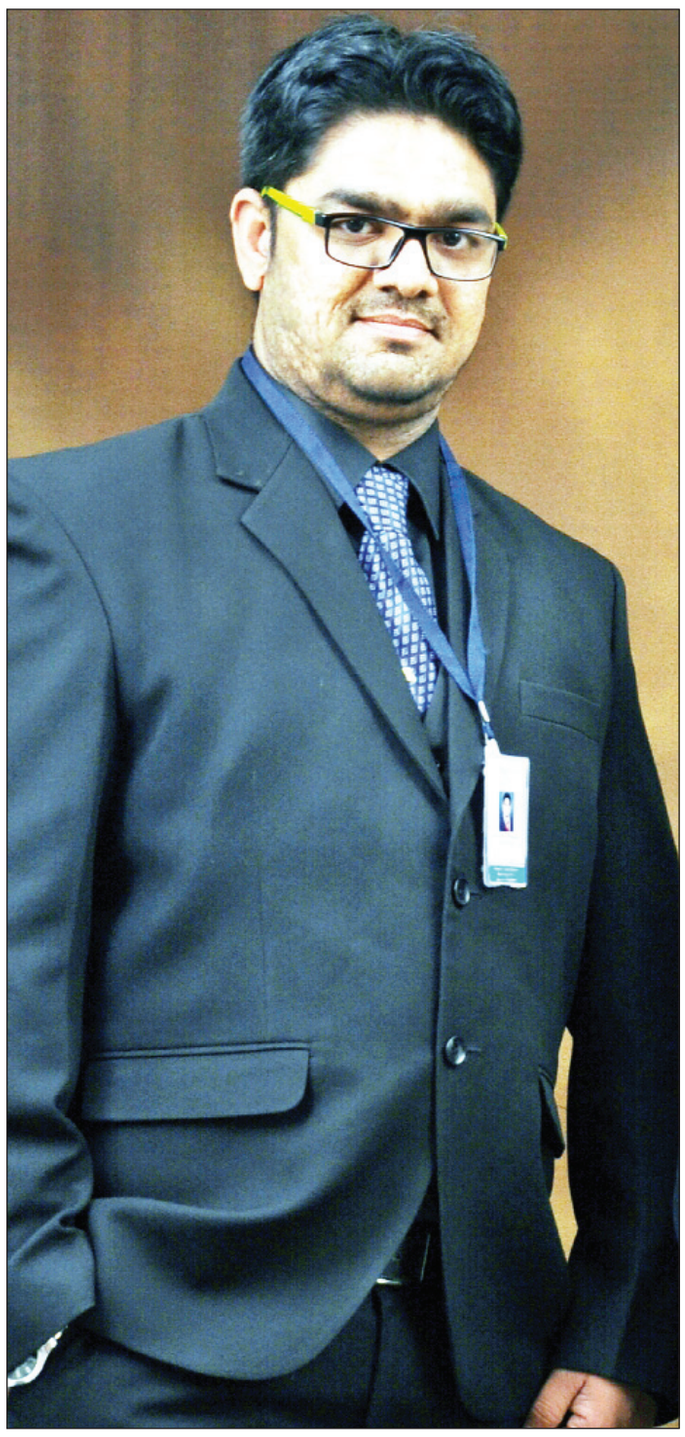

महानगर टेलिफ़ोन निगम लिमिटेड कंपनी की सायबर चोरी पकडी

आशुतोष और डॉ जेम्स ब्रिस मिलकर करेंगे रॉकेट तैयार

होगी चंद्रमा पर जाने में आसानी

नागपुर | वर्ष २०१६ मे नागपुर शहर के सामान्य परिवार के व्यक्ति आशुतोष अशोक महाजन ने क्रिप्टन नामक कंप्यूटर सॉफ्टवेयर तैयार किया जो सायबर चोरी रोकता है। फरवरी २०१७ में बेंगलोर की एमटीएनएल (महानगर टेलिफ़ोन निगम लिमिटेड) कंपनी का डेटा सर्वर से चोरी हो हो गया उस वजह से एमटीएनएल (महानगर टेलिफ़ोन निगम लिमिटेड) कंपनी बंद होने के कगार पर थी। कंपनी के काई सदस्यों ने उस चोरी का पता लगाने की कोशिश की पर उनके हाथ कुछ भी नहीं लग पाया। उस वजह से कंपनी को लगभग ८०० करोड का नुकसान हो रहा था। कंपनी के सभी मुख्य अधिकारी चिन्तित हो गये थे। कंपनी में हुयी चोरी की बात गुप्त राखी गई, ताकी लोगो में हलचल ना हो सके, कंपनी के कुछ अधिकारी श्री कुमार राजन पिल्लई, श्रीमती आशादेवी वर्मा, श्री आर डब्ल्यू सिन्हा ने नागपुर के (एन.आर.सी.) के वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष से संपर्क किया और उन्हे सारी बात बतायी।

आशुतोष ने सारी बाते सुनकर कंप्यूटर हैकिंग चोरी होने का दावा किया, आशुतोष ने बिनाकुछ संकोच किए उनकी मदत करने के लिये तैयार हो गये। २६ जून २०१७ को आशुतोष ने अपने क्रिप्टन सॉप्टवेअर की मदद से काम सुरु कर दिया और २८ जून २०१७ को उन चोरों का पता लगाकर एमटीएनएल (महानगर टेलिफ़ोन निगम लिमिटेड) कंपनी को उनका डेटा जो चोरी हो गया था वह वापस कर दिया गया यह चोरी को पकडने के लिए आशुतोष को २ दिन का समय लगा। चोरी पकडने के दौरान आशुतोष को पता चला की उस चोरी के पिछे कंपनी के किसी सदस्य का ही हाथ है। आशुतोष की वजह से चोरों का गिरोह पकडा गया। ऐसे हॅकर्स थोडे थोडे पैसों के लिए दुसरों का बैंक खाता इस्तिमाल करते हैं, उस चोरी को रोखने के लिए एमटीएनएल (महानगर टेलिफ़ोन निगम लिमिटेड) कपंनी के पुर्व एम डी श्री एके गर्ग ने आशुतोष को अपने निवासस्थान बैंगलोर में स्वागत समारोह में बुलाया और आशुतोष को २० करोड़ रूपये बक्षिस स्वरूप प्रदान किया, पर आशुतोष को बक्षिस लेना मंजूर नही था, उन्होंने बक्षिस अस्विकार किया। आशुतोष का यह कहना थाा की, जो मैंने किया वह मेरा काम था ये चोरी मैने बक्षिस पाने के लिए नहीं रोकी, उनका कहना है की, भविष्य में ऐसी कोई घाटना सामने आती है तो हम उनका सामना करेंगे।

श्री एके गेरी ने आशुतोष को एमटीएनएल (महानगर टेलिफ़ोन निगम लिमिटेड) कंपनी जो बेंगलोर (भारत) मे स्थित है एसमे आईटी डिपार्टमेन्ट के मुख्य अधिकारी होने का प्रस्ताव दिया, पर आशुतोष ने वह प्रस्ताव अस्विकार किया। इस उपलब्धि की वजह से आशुतोष को एन.ए.एस.ए (नासा) जो अमेरीका मे है, वहां के वैज्ञानिक श्री डॉ जेम्स ब्रिस ने उनके अगले प्रोजेक्ट में आशुतोष को आमंत्रित किया, अब आशुतोष डॉ जेम्स ब्रिस के साथ मिलकर एक ब्लेडर नाम का रॉकेट तैयार करेंगे। जिससे चंद्रमा पर जाने में आसानी होगी आशुतोष ने डॉ जेम्स ब्रिस का यह प्रस्ताव स्विकार कर आशुतोष दिसंबर २०१७ को अमरीका के लिए रवाना होंगे। आशुतोष ने बिताया की वह यह काम जनवरी २०१८ से सुरु करेंगे। जिसके लिए उन्हे २ से ३ साल का समय लगेगा।

मुंबई के ८१३ किसान कर्ज माफी सूची में

मुंबई | मुंबई और उसके उपनगर इलाके में रहने वाले ८१३ किसानों को कर्जमाफी की सूची में स्थान दिया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस भी इस सूची से आश्चर्यचकित हैं। उन्होंने कर्जमाफी को मंजूरी देने से पहले जांच के आदेश दिए हैं। पिछले महीने राज्य सरकार द्वारा घोषित ३४,००० करोड़ रुपये की कर्जमाफी योजना के अंतर्गत संभावित लाभार्थी किसानों की सूची जारी की गई है। सवाल यह है कि आखिर मुंबई में खेतिहर किसान कहां पाए जाते हैं? इस मुद्दे पर विपक्ष ने भी सरकार पर निशाना साधा है। राकांपा प्रवक्ता नवाब मालिक ने मामले के जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे साफ हो जाएगा कि क्या सचमुच कर्जमाफी का बेजा इस्तेमाल हो रहा है या नहीं?

वैसे मुख्यमंत्री के आदेश के बाद ही, मुंबई की पौने दो करोड़ की आबादी में कर्जमाफी के लायक खेतिहर किसान की खोज सरकारी फाइलों में तेज हो गई है। सरकार की ओर से कहा गया है, 'हालिया सूची सूबे के उन संभावित किसानों की है, जिन्हें कर्जमाफी का लाभ मिल सकता है। इसमें मुंबई और उपनगर के किसान दिखाए गए हैं। हो सकता है कि उन्होंने मुंबई जिला बैंक से कर्ज लिया होगा। वैसे भी अगर वे कर्जमाफी की शर्तें पूरा नहीं करेंगे तो उन्हें यह लाभ नहीं मिलेगा क्योंकि अभी घोषित सूची की जांच होना तय है।' नियमानुसार, ३४ हजार करोड़ रुपये की कर्जमाफी का लाभ उन्हें ही मिलेगा जिनका जीवनयापन केवल खेती पर निर्भर है। ऐसे में सरकार का कयास है कि जांच के बाद मुंबई में रहकर पैतृक इलाके की खेती पर कर्ज उठाने वाले खुद ही कर्जमाफी के दायरे से बाहर हो जाएंगे।

उइख के शिकंजे में लालू:१२ ठिकानों पर छापा

पत्नी – बेटे के खिलाफ भी केस दर्ज

नई दिल्ली। लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी, बेटे समेत कई अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। जिन अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है उनमें सरला गुप्ता, विजय कोचर, विनय कोचर, पीके गोयल के अलावा नई दिल्ली के फ्रैंड्स कॉलोनी स्थित कंपनी, मैसर्स लारा प्रोजक्ट एलएलपी शामिल हैं।

सीबीआई ने २००६ के जिस मामले में लालू प्रसाद यादव के १२ ठिकानों पर उइख की छापेमारी की है उनमें दिल्ली, पटना, रांची, पुरी और गुरुग्राम शामिल हैं। सीबीआई के राकेश अस्थाना ने बताया कि यह छापेमारी सुबह ७.३० बजे से देश के कई जगहों पर शुरू की गई।

सीबीआई ने जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, उनमें लालू प्रसाद यादव के अलावा उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, उनके बेटे उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, खठउढउ के तत्कालानी एमडी, दो प्राइवेट कंपनियों के डायरेक्टर्स, एक प्राइवेट मार्केटिंग कंपनी और कुछ अन्य लोग शामिल हैं। इस मामले में लालू के साथ ही उनकी पत्नी राबड़ी देवी, दोनों मंत्री पुत्र तेजप्रताप यादव और तेजस्वी पर भी केस दर्ज किया है। लालू पर आरोप है कि तब उन्होंने रेलवे के होटल टेंडर निजी कंपनी को दिए थे और रेल मंत्री के तौर पर निजी कंपनी को फायदा पहुंचाया था।

लालू यादव फिलहाल रांची में हैं जो आज चारा घोटाला मामले में में सीबीआइ की स्पेशल कोर्ट में पेश होंगे वहीं सीबीआइ रांची स्थित बीएन आर होटल में उनके खिलाफ सुबूत जुटाने में लगी है।

भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी, 'नीतीश कुमार को चुप्पी तोड़नी चाहिए और तेजस्वी यादव को उप मुख्यमंत्री के पद से बर्खास्त करना चाहिए।'

क्या है पूरा मामला

रांची और पुरी के चाणक्य बीएनआर होटल जो कि रेलवे के हेरिटेज होटल थे। लालू प्रसाद यादव ने रेल मंत्री रहते हुए इन होटलों को अपने करीबियों को लीज पर बेच डाला था। लालू प्रसाद एवं उनके परिवार के खिलाफ एक हजार करोड़ की बेनामी संपत्ति का मामला रांची और पुरी से जुड़ा हुआ है। लालू प्रसाद जब रेल मंत्री थे तब रेल मंत्रालय ने रांची एवं पुरी के ऐतिहासिक होटल बीएनआर को लीज पर देने का निर्णय लिया। इस लीज के लिए रांची के कुछ होटल व्यवसाइयों के अलावा लालू प्रसाद के निकट के सहयोगी एवं झारखंड से राज्यसभा के सांसद प्रेमचंद गुप्ता की कंपनी दोनों होटलों को लेने में सफल रहे और रांची के बीएनआर होटल को पटना के प्रसिद्ध होटल चाणक्य के संचालक हर्ष कोचर को ६० साल के लिए लीज पर मिल गया। पहले तो लीज की अवधि ३० वर्ष रखी गयी, परन्तु बाद में इसकी अवधि बढ़ाकर साठ साल कर दी गई। आरोप है कि इन दोनों होटलों को लीज पर देने की जितनी कीमत राज्य सरकार को मिलनी चाहिए वह नहीं मिली। वैसे इस मामले में लालू प्रसाद का कहना है कि रेलवे ने नियम के तहत इन होटलों को लीज पर दिया था और इससे उनका कोई लेना देना नहीं है।